

पार्सल बुक करवाने के लिए प्राइवेट एजेंट सरकारी क्यूआर कोड पर अपने अकाउंटों से कर रहे ट्रांजेक्शन



सुनील शिंगार | लुधियाना समर न्यूज़

वैसे तो रेल अधिकारी मानने को तैयार ही नहीं है कि लुधियाना रेलवे के पार्सल विभाग में किसी प्राइवेट एजेंट की कोई दखल अंदाजी है। लेकिन एजेंटों की पार्सल विभाग में दखलअंदाजी का पहला सबसे बड़ा सबूत पार्सल में लगा हुआ क्यूआर कोड है तो दूसरा प्रमाण विभाग में लगे हुए सीसीटीवी



में यही दो सबूत काफी है जोकि अधिकारी खुद संभाले हुए है। क्योंकि कई एजेंट रोजाना ही एक से ज्यादा बार, एक ही नंबर और एक ही अकाउंट से ट्रांसफर भी करते हैं। वहीं, जीआरपी प्रभारी जतिंदर सिंह के साथ बात की गई तो उन्होंने कहा कि प्राइवेट एजेंटों के अलावा अन्य लोगों की भी होने की संभावना जताई जा रही है। इस मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

पार्सल विभाग में प्राइवेट एजेंटों की मिलीभगत का सबसे बड़ा सबूत ऑनलाइन ट्रांजेक्शन और सीसीटीवी फुटेज !

बाबुओं की देखरेख में होता है सब

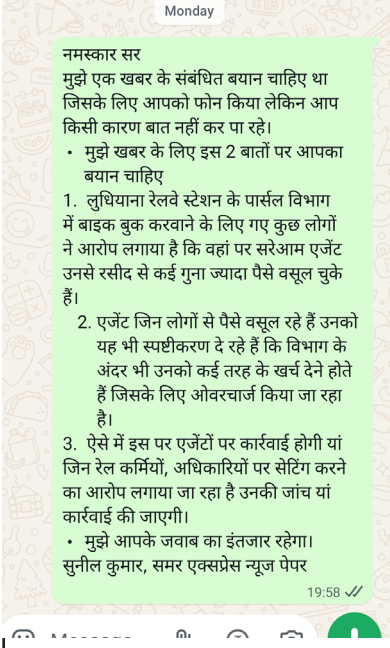
डिजिटल इंडिया के तहत ऑनलाइन पेमेंट को बढ़ावा दिया जा रहा है। ऐसे में पार्सल विभाग में जो भी ट्रांजेक्शन होती है उसके लिए क्यूआर कोड का इस्तेमाल किया जाता है। पार्सल बुक करने के लिए जो क्यूआर कोड इस्तेमाल होता है उसको ड्यूटी पर बैठे हुए सरकारी बाबू द्वारा ही दिया जाता है। इसके अलावा कई बार कार्ड के जरिए भी कुछ लोग पेमेंट करते हैं जो भी सरकारी मशीन में ही कार्ड स्केब किया जाता है। ऐसे में इन बाबुओं को एजेंट की हर हरकत का पता होता है। अगर दावा किया जाता है कि पार्सल में खुद मालिक ही पार्सल बुक करवाने पहुंचता है तो रोजाना बार-बार एक ही अकाउंट, एटीएम या मोबाइल नंबर से ट्रांजेक्शन होना भी संवा लिया निशान खड़ा कर सकता है।

बाइक के इलावा हौजरी व अन्य सामान बुक करवाने में भी एजेंटों का अहम रोल

पार्सल में बाइक बुक करवाने में तो प्राइवेट एजेंट गड़बड़ी कर ही रहे हैं वहीं रेलवे स्टेशन के पार्सल विभाग में जो भी होजरी या फिर अन्य किसी तरह का सामान आता है उसमें भी प्राइवेट एजेंटों का हाथ होने की बात सामने आई है। जानकारों की माने तो पार्सल विभाग के बाहर सतर्क एजेंटों को वहां के अधिकारियों ने इतनी छूट दे रखी है कि वह पार्सल बुक करने के लिए कंप्यूटर का काम छोड़ बाकी सब काम खुद ही करते नजर आते हैं। यह भी पुष्टा जानकारी है कि इन एजेंटों द्वारा पार्सल विभाग के अंदर जो भी काम किया जाता है वह सरकारी बाबू का होता है और सीसीटीवी कैमरे की देखरेख में ही करते है जिसका रिकॉर्ड भी रेलवे के पास मौजूद है।

बता दे की समर एक्सप्रेस द्वारा लगातार इस मुद्दे को प्रकाशित किया जा रहा है कि रेलवे स्टेशन के पार्सल विभाग के बाहर प्राइवेट एजेंट द्वारा लोगों को लूटा जा रहा है। इस लूट में प्राइवेट एजेंटों द्वारा दावा किया जा रहा है कि उनकी अंदर सेटिंग है। ऐसे ही एजेंट खिलाफ गाजीपुर निवासी रूप चंद, सीतामढ़ी के रूपेश पटेल, मुजफ्फरपुर के राजन राय और समस्तीपुर के अमित सहित कई लोगों ने दावा किया कि उनसे रेलवे रसीद में दर्ज शुल्क से दोगुनी-तिगुनी राशि प्राइवेट

सोमवार का मैसेज, वीरवार तक भी नहीं देखा गया



इस मामले में रेल के मंडल अधिकारियों से कई बार बात करने की कोशिश की लेकिन वह फोन नहीं उठा पा रहे। ऐसे में सोशल मीडिया के जरिए उनको एक लिखित मैसेज भी भेज कर सारे मामले से अवगत करवाया गया और उनसे इस मामले में उनकी प्रतिक्रिया पूछने की कोशिश की गई। अचंबे की बात यह है कि मैसेज के बावजूद भी उन्होंने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया।

डिप्टी मेयर व पार्षदों ने खोला निगम का विकास घोटाला, निष्पक्ष जांच की मांग

काम शुरू होने से पहले ही बांट दिए प्रोग्रेस सर्टीफिकेट!

लक्की मेहता | लुधियाना समर न्यूज़

नगर निगम के विकास कार्यों में कथित अनियमितताओं को लेकर अब सत्ताधारी पक्ष के जनप्रतिनिधियों ने ही निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। डिप्टी मेयर प्रिंस जौहर और वार्ड-19 की पार्षद निधि गुप्ता ने अलग-अलग शिकायतें देकर आरोप लगाया है कि कई विकास कार्य शुरू होने से पहले ही ठेकेदारों को कार्य प्रोग्रेस के सर्टीफिकेट जारी कर दिए गए। दोनों जनप्रतिनिधियों ने नगर निगम कमिश्नर से पूरे मामले की उच्च स्तरीय, निष्पक्ष जांच करवाकर दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। शिकायतों के अनुसार इससे पहले भी 19 जून 2026 को एनआईटी नंबर-117/SETIC के टेंडर नंबर-3 और 17 को लेकर नगर निगम कमिश्नर, एसईटीआईसी और एक्सईएन टीआईसी को विस्तृत शिकायत दी गई थी। आरोप था कि संबंधित कार्यकारी इंजीनियर ने बिना मौके का निरीक्षण किए ही ठेकेदारों

बिना एक भी टाइल लगाए 25 प्रतिशत काम पूरा दिखा दिया : निधि गुप्ता



वार्ड-19 की पार्षद निधि गुप्ता ने 11 जुलाई 2026 को बीएंडआर के एसई को भेजी शिकायत में आरोप लगाया कि जीआरडी कॉलोनी के पास टाइलें लगाने का कार्य निगम की ओर से स्वीकृत हुआ था, लेकिन मौके पर आज तक काम शुरू नहीं हुआ। इसके बावजूद विभागीय रिकॉर्ड में 25 प्रतिशत कार्य पूरा होने का सर्टीफिकेट जारी कर दिया गया। उन्होंने कहा कि बिना कार्य शुरू हुए ही 25 प्रतिशत प्रगति दर्शाना सरकारी धन के दुरुपयोग, फर्जी मेजरमेंट बुक तैयार किए जाने तथा अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत की आशंका को मजबूत करता है। उन्होंने मांग की कि मौके का भौतिक निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति की जांच की जाए तथा यह भी स्पष्ट किया जाए कि 25 प्रतिशत कार्य पूर्ण होने का प्रमाणपत्र किस अधिकारी ने, किस आधार पर और किन दस्तावेजों के आधार पर जारी किया। यदि जांच में कोई अधिकारी, कर्मचारी या ठेकेदार दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की जाए।

काम शुरू नहीं हुआ, फिर भी जारी कर दिया 5 प्रतिशत प्रोग्रेस सर्टीफिकेट : डिप्टी मेयर



डिप्टी मेयर प्रिंस जौहर ने नगर निगम कमिश्नर को भेजी शिकायत में आरोप लगाया कि जोन-सी की बीएंडआर शाखा के अंतर्गत उनके वार्ड-40 में कई विकास कार्य या तो शुरू ही नहीं हुए या फिर अधूरे छोड़ दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मोहल्ला शिमलापुरी की विभिन्न गलियों में आरएमसी बिछाने के कार्य के लिए संबंधित ठेकेदार को 5 प्रतिशत कार्य पूरा होने का प्रोग्रेस सर्टीफिकेट जारी कर दिया गया, जबकि मौके पर आज तक काम शुरू नहीं हुआ। डिप्टी मेयर ने मांग की कि उनके वार्ड के सभी लंबित विकास कार्य तत्काल शुरू करवाए जाएं तथा कथित रूप से गलत प्रोग्रेस सर्टीफिकेट जारी करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

जनप्रतिनिधियों के आरोपों से निगम प्रशासन कठघरे में

सत्ताधारी पक्ष के डिप्टी मेयर और पार्षद द्वारा लगाए गए इन गंभीर आरोपों ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो यह मामला केवल लापरवाही नहीं बल्कि सरकारी धन के दुरुपयोग और फर्जी रिकॉर्ड तैयार करने जैसे गंभीर आरोपों का रूप ले सकता है। अब सभी की नजर निगम कमिश्नर की कार्रवाई और प्रस्तावित जांच पर टिकी हुई है।

गुरुद्वारा शहीद बाबा दीप सिंह जी मॉडल टाउन एक्स में चोपहरा समागम श्रद्धापूर्वक आयोजित

नील कमल मोन् | लुधियाना समर न्यूज़

लुधियाना के मॉडल टाउन एक्स स्थित गुरुद्वारा शहीद बाबा दीप सिंह जी में चोपहरा समागम श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक वातावरण के बीच आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर गुरु घर में माथा टेका और गुरु का आशीर्वाद प्राप्त किया। समागम के दौरान संगत ने गुरबाणी का श्रवण किया तथा गुरु चरणों में अरदास कर क्षेत्र और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से सभी श्रद्धालुओं का गर्मजोशी से स्वागत किया गया तथा गुरु घर पहुंचने पर उनका



धन्यवाद व्यक्त किया गया। समागम उपरांत गुरु का अटूट लंगर श्रद्धालुओं के लिए निरंतर चलाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में संगत

नरेश ने सफाई सेवकों की मांगें मानने पर पंजाब सरकार का जताया आभार



नीलकमल मोन् | लुधियाना समर न्यूज़

नगर निगम जोन-ए में नगर निगम संघर्ष समिति के नेता नरेश धीमान ने सफाई सेवकों की प्रमुख मांगों को स्वीकार किए जाने पर पंजाब

सरकार का धन्यवाद व्यक्त किया। पत्रकारों से बातचीत करते हुए नरेश धीमान ने कहा कि लंबे समय से सफाई सेवक अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर थे। पंजाब सरकार ने उनकी मांगों को स्वीकार कर बड़ी राहत दी है।

स्वतंत्रता दिवस से पहले हाई अलर्ट 7 स्थायी व 32 जगह विशेष नाकाबंदी

अशवनी पाहवा | लुधियाना समर न्यूज़

स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के मद्देनजर लुधियाना पुलिस ने शहर में सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह हाई अलर्ट पर कर दिया है। एडीजीपी (सिक्वॉरटी) कौस्तुभ शर्मा ने मंगलवार को लुधियाना पहुंचकर सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। उन्होंने चंडीगढ़-लुधियाना हाईवे पर कठानी कलां स्थित स्टैटिक नाके, थाना जमालपुर, पुलिस लाइन और पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी (पीएयू) में होने वाले राज्य स्तरीय समारोह स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह की ढिलाई न बरतने के निर्देश दिए। एडीजीपी ने कहा कि डीजीपी के निर्देश पर प्रदेशभर में वरिष्ठ अधिकारियों को ड्यूटी लगाई गई है। इसी क्रम में वह लुधियाना पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि शहर के सभी प्रमुख प्रवेश और निकास मार्गों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। सात स्थायी नाके 24 घंटे सक्रिय हैं, जबकि 32 स्थानों पर विशेष नाकाबंदी कर वाहनों और संदिग्ध व्यक्तियों की सघन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि असामाजिक और शरारती तत्वों पर विशेष नजर रखी जा रही है। ऐसे लोगों के खिलाफ लगातार छापेमारी की जा रही है ताकि स्वतंत्रता दिवस के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। एडीजीपी ने कोहाड़ा के पास लगाए गए नाकों का भी निरीक्षण किया और वहां तैनात



पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

■ बम धमकियों को गंभीरता से ले रही पुलिस...

बम धमकियों से जुड़े सवाल पर एडीजीपी ने कहा कि हाल के दिनों में मिली कुछ धमकियां वास्तविक प्रतीत हुई हैं, जबकि कुछ फर्जी भी निकली हैं। पुलिस हर सूचना को गंभीरता से लेते हुए जांच कर रही है। धमकी देने वालों को ट्रेस और लोकेट करने के साथ उनका आपराधिक और तकनीकी रिकॉर्ड भी खंगाला जा रहा है।

■ थाना जमालपुर व पुलिस लाइन में समीक्षा...

थाना जमालपुर में एडीजीपी ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक कर ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने और आम लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस लाइन में कमिश्नर के सभी गजेटेड अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक हुई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पुलिस बल की



तैनाती, सुरक्षा रणनीति, संभावित खतरों से निपटने की योजना, ट्रैफिक प्रबंधन और अन्य सुरक्षा पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

■ पीएयू समारोह स्थल का भी किया निरीक्षण...

एडीजीपी ने पुलिस अधिकारियों के साथ पीएयू स्थित राज्य स्तरीय समारोह स्थल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने प्रवेश और निकास मार्ग, वीआईपी व आम लोगों के बैठने की व्यवस्था, पार्किंग क्षेत्र तथा बहुस्तरीय सुरक्षा घेरों का जायजा लेकर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के निर्देश दिए। पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा ने कहा कि एडीजीपी (सिक्वॉरटी) के मार्गदर्शन में पूरे शहर में व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। अत्याधुनिक तकनीक आधारित निगरानी प्रणाली, अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती और चौबीसों घंटे गश्त की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय समारोह सहित शहर के सभी संवेदनशील क्षेत्रों और प्रमुख प्रवेश मार्गों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी गई है, ताकि नागरिक सुरक्षित वातावरण में स्वतंत्रता दिवस मना सकें।

फ्रूट व्यापारी का पिस्तौल के बल पर अपहरण, खाली कागजों पर हस्ताक्षर करवाने का आरोप; जांच जारी

अशवनी पाहवा | लुधियाना समर न्यूज़

जालंधर बाईपास स्थित सब्जी मंडी में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक केला कारोबारी ने दो लोगों पर पिस्टल के बल पर अगवा करने, फायरिंग करने और खाली कागजों पर जबरन हस्ताक्षर करवाने के गंभीर आरोप लगाए। घटना के बाद मौके पर पहुंची थाना सलेम टाबरी पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि प्राथमिक जांच में सामने आया है कि कारोबारी का करीब 10 लाख रुपये के लेनदेन से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। हालांकि कारोबारी का दावा है कि आरोपियों के साथ उसका कोई सीधा वित्तीय संबंध नहीं था। पीड़ित कारोबारी दीपक ने बताया कि वह मूलरूप से हरियाणा के कैथल का रहनेवाला है, वह लुधियाना में पिछले 18 सालों से लुधियाना में काम कर रहा है। उसका महाराष्ट्र के कुछ व्यापारियों के साथ करीब 10 लाख रुपये का लेनदेन चल रहा है। बुधवार को वह अपने कार्यालय में बैठ था, तभी एक युवक ने उसे फोन किया। जो कुछ ही देर के बाद उसके दफ्तर में आ गया। दीपक के अनुसार, उक्त युवक अपने एक अन्य साथी के साथ कार्यालय



पहुंचा। दोनों ने पहले सामान्य बातचीत की और फिर महाराष्ट्र के व्यापारियों के साथ चल रहे पैसों के लेनदेन को लेकर सवाल पूछने लगे। इसी दौरान दोनों ने कथित तौर पर हथियार निकाल लिए। दीपक का आरोप है कि एक व्यक्ति ने पिस्टल सोफे पर रख दी, जबकि दूसरे ने काउंटर पर हथियार रखा और इसी बीच एक फायर भी किया। उसने दावा किया कि नीचे मौजूद उसके तीन कर्मचारियों ने भी गोली चलने की आवाज सुनी। कारोबारी का आरोप है कि इसके बाद दोनों आरोपी उसे पिस्टल के बल पर जबरन अपने साथ कोतवाली थाना ले गए। रास्ते में कहा गया कि वहीं ईसाफ होगा और उसके खिलाफ मामला दर्ज कराया जाएगा। दीपक का कहना है कि वहां उससे खाली कागजों पर जबरन हस्ताक्षर भी करवाए गए। किसी तरह वापस कार्यालय पहुंचने के बाद उसने साथी व्यापारियों को घटना की जानकारी



दी और पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना सलेम टाबरी पुलिस मौके पर पहुंची। जांच अधिकारी एएसआई हरमेश सिंह ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण किया गया, लेकिन मौके से गोली का कोई खोल बरामद नहीं हुआ और न ही फायरिंग के स्पष्ट निशान मिले हैं। कार्यालय और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। एएसआई हरमेश सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला पैसों के लेनदेन से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस सभी पक्षों से पूछताछ कर रही है और सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच जारी है। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही फायरिंग, अगवा करने और जबरन हस्ताक्षर करवाने के आरोपों की पुष्टि हो सकेगी तथा उसी आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।